

06 जुलाई 2024 : समाचार विश्लेषण

A. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 1 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

B. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

अंतर्राष्ट्रीय संबंध:

1. पूर्वोत्तर म्यांमार में भीषण लड़ाई छिड़ने से जुंटा दबाव में:

C. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

D. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 4 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

E. संपादकीय:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

F. प्रीलिम्स तथ्य:

1. 'खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि से शाकाहारी थाली की कीमत में 10% की वृद्धि'
2. 'भारत-रूस उद्यम ने रक्षा मंत्रालय को 35,000 असॉल्ट राइफलें दीं'
3. केरल के फार्म में अफ्रीकी स्वाइन फीवर के मामले सामने आए:

G. महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

H. UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

I. UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

पूर्वोत्तर म्यांमार में भीषण लड़ाई छिड़ने से जुंटा दबाव में:

अंतर्राष्ट्रीय संबंध:

विषय: विकसित और विकासशील देशों की नीतियों और राजनीति का भारत के हितों पर प्रभाव।

मुख्य परीक्षा : भारत-म्यांमार संबंध

प्रसंग: पूर्वोत्तर म्यांमार में नई लड़ाई छिड़ गई है, जिससे चीन द्वारा मध्यस्थता वाला युद्ध विराम समाप्त हो गया है। इस घटनाक्रम से सैन्य शासन पर काफी दबाव पड़ता है, जिसे कई मोर्चों पर प्रतिरोध बलों के हमलों का सामना करना पड़ रहा है। इस संघर्ष में तांग नेशनल लिबरेशन आर्मी (TNLA) और म्यांमार नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस आर्मी (MNDAA) शामिल हैं।

पृष्ठभूमि

- स्थान और अभिनेता: संघर्ष शान राज्य और पड़ोसी मंडले क्षेत्र में केंद्रित है, जिसमें TNLA, MNDAA और अन्य स्थानीय बल शामिल हैं।
- युद्ध विराम टूटना: जनवरी में स्थापित चीन द्वारा मध्यस्थता वाला युद्ध विराम इन मिलिशिया द्वारा नए सिरे से किए गए हमलों के कारण टूट गया है।

वर्तमान स्थिति

- TNLA का आक्रमण: स्थानीय बलों के समर्थन से TNLA ने शासन के ठिकानों पर नए सिरे से हमले किए हैं, लाशियो शहर को घेर लिया है।
- MNDAA की भागीदारी: MNDAA ने लड़ाई में शामिल होकर संघर्ष को और तीव्र कर दिया है।

- प्रतिरोध बल: स्थानीय पीपुल्स डिफेंस फोर्स (PDF) भी भाग ले रहे हैं, जो मांडले क्षेत्र में सैन्य चौकियों पर कब्जा कर रहे हैं।

मुद्दे

- मानवीय चिंताएँ: संघर्ष नागरिकों को खतरे में डालता है, दोनों पक्ष एक-दूसरे पर नागरिकों के जीवन को खतरे में डालने का आरोप लगाते हैं।
- सैन्य प्रतिक्रिया: शासन जातीय लोगों की रक्षा करने का दावा करता है, जबकि प्रतिरोध बलों का लक्ष्य सैन्य तानाशाही को खत्म करना और स्थानीय सुरक्षा सुनिश्चित करना है।
- रणनीतिक स्थान: मोगोक में रूबी खानों जैसे रणनीतिक शहरों और संसाधनों पर नियंत्रण संघर्ष का एक महत्वपूर्ण पहलू है।

महत्व

- राजनीतिक प्रभाव: नए सिरे से शुरू हुई लड़ाई म्यांमार की राजनीतिक स्थिति की नाजुक स्थिति और सैन्य शासन के खिलाफ चल रहे प्रतिरोध को उजागर करती है।
- क्षेत्रीय स्थिरता: संघर्ष क्षेत्रीय स्थिरता को प्रभावित करता है, जिसका पड़ोसी देशों, विशेष रूप से चीन, लाओस और थाईलैंड पर प्रभाव पड़ता है।
- अंतर्राष्ट्रीय संबंध: मध्यस्थ के रूप में चीन की भागीदारी और नए सिरे से हिंसा पर उसकी प्रतिक्रिया म्यांमार में उसके रणनीतिक हितों को रेखांकित करती है।

समाधान

- शांति वार्ता: शांति वार्ता के लिए नए सिरे से प्रयास, संभवतः चीन या अन्य अंतर्राष्ट्रीय अभिनेताओं द्वारा मध्यस्थता, आवश्यक हैं।
- मानवीय सहायता: मानवीय सहायता प्रदान करना और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के लिए प्राथमिकता होनी चाहिए।
- राजनयिक दबाव: प्रतिरोध बलों के साथ सार्थक बातचीत में शामिल होने के लिए म्यांमार सैन्य शासन पर राजनयिक दबाव बढ़ा।

सारांश:

- पूर्वोत्तर म्यांमार में लड़ाई का फिर से शुरू होना चल रही अस्थिरता और स्थायी शांति प्राप्त करने में चुनौतियों को रेखांकित करता है। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय, विशेष रूप से चीन, शांति बहाल करने और नागरिकों की सुरक्षा के प्रयासों में मध्यस्थता और समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस संघर्ष की जटिल गतिशीलता को संबोधित करने के लिए निरंतर ध्यान और हस्तक्षेप आवश्यक है।

प्रीलिम्स तथ्य:

1. 'खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि से शाकाहारी थाली की कीमत में 10% की वृद्धि'

प्रसंग: जून में, शाकाहारी थाली (भोजन) की कीमत में साल-दर-साल 10% की वृद्धि हुई, जो छह महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई, जबकि मांसाहारी भोजन की कीमत सात महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। खाद्य पदार्थों की कीमतों में यह उछाल टमाटर, प्याज और आलू जैसे आवश्यक खाद्य पदार्थों में उल्लेखनीय मुद्रास्फीति के कारण हुआ।

हाल के रुझान

- शाकाहारी थाली की लागत: जून में शाकाहारी भोजन की औसत लागत ₹29.4 तक पहुंच गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 10% और मई के स्तर से 6% अधिक है।
- मांसाहारी थाली की लागत: पिछले वर्ष की तुलना में 4% कम होने के बावजूद, मांसाहारी भोजन की कीमत क्रमिक रूप से 4% बढ़कर ₹58 हो गई।

मुख्य सब्जियों की कीमतों में वृद्धि

- टमाटर: जून में कीमतों में 30% की वृद्धि हुई।
- प्याज: कीमतों में 46% की वृद्धि हुई।
- आलू: कीमतों में 59% की वृद्धि हुई।
- मासिक परिवर्तन: मई से जून तक टमाटर की कीमतों में 29%, प्याज में 15% और आलू में 9% की वृद्धि हुई।

व्यापक खाद्य मुद्रास्फीति रुझान

- आधिकारिक खाद्य मुद्रास्फीति: अप्रैल और मई में आधिकारिक खाद्य मुद्रास्फीति दर 8.7% थी।
- क्रिसिल की रिपोर्ट: क्रिसिल के खाद्य लागत ट्रैकर से जून में उच्च मुद्रास्फीति जारी रहने का संकेत मिलता है।

मुद्दे

- आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान: महत्वपूर्ण खरीफ महीनों के दौरान रकबे में कमी और सूखे के कारण प्रमुख सब्जियों की आवक कम हुई।
- उत्पादन चुनौतियाँ: चावल और दालों के कम उत्पादन ने कीमतों में वृद्धि में योगदान दिया है।
- उपभोक्ताओं पर प्रभाव: आवश्यक खाद्य वस्तुओं की बढ़ी हुई लागत घरेलू बजट को प्रभावित करती है, विशेष रूप से कम आय वाले परिवारों के लिए।

महत्व

- आर्थिक प्रभाव: लगातार खाद्य मुद्रास्फीति से समग्र मुद्रास्फीति बढ़ सकती है, जिससे आर्थिक स्थिरता प्रभावित होती है।
- उपभोक्ता बोझ: बढ़ती खाद्य लागत उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त दबाव डालती है, जिससे उनकी प्रयोज्य आय कम हो जाती है।
- नीतिगत निहितार्थ: कीमतों को स्थिर करने और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार को हस्तक्षेप करने की आवश्यकता हो सकती है।

2. 'भारत-रूस उद्यम ने रक्षा मंत्रालय को 35,000 असॉल्ट राइफलें दीं'

प्रसंग: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूस यात्रा से पहले, इंडो-रूसी राइफलस प्राइवेट लिमिटेड (IRRPL) ने 35,000 कलाशिनिकोव AK-203 असॉल्ट राइफलें तैयार करके भारतीय रक्षा मंत्रालय को हस्तांतरित की हैं। यह भारत और रूस के बीच एक महत्वपूर्ण रक्षा सहयोग के पहले चरण के पूरा होने का प्रतीक है।

परियोजना विवरण

- संयुक्त उद्यम: IRRPL रूसी पक्ष से रोबोरोनएक्सपोर्ट द्वारा सह-स्थापित एक संयुक्त उद्यम है।
- उत्पादन स्थल: राइफलों का उत्पादन उत्तर प्रदेश के अमेठी में कोरवा आयुध कारखाने में किया जाता है।
- प्रारंभिक डिलीवरी: भारतीय सेना को 35,000 राइफलों का एक बैच दिया गया है, और आगे के बैचों का निरीक्षण किया जा रहा है।

अनुबंध संबंधी समझौता

- अनुबंध मूल्य: जुलाई 2021 में हस्ताक्षरित अनुबंध की कीमत ₹5,000 करोड़ से अधिक है।
- उत्पादन योजना: भारत में 6.1 लाख से अधिक AK-203 राइफलों का निर्माण किया जाना है।
- स्थानीयकरण रणनीति: पहली 70,000 राइफलों में स्थानीयकरण में चरणबद्ध वृद्धि 5% से 70% तक होगी। शेष राइफलों का उत्पादन 100% स्थानीयकरण के साथ किया जाएगा।

तकनीकी हस्तांतरण

- उपकरण हस्तांतरण: आवश्यक उपकरण भारत में उत्पादन स्थल पर भेज दिए गए हैं।
- तकनीकी एकीकरण: रूस से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण यह सुनिश्चित करता है कि उत्पादन सुविधाएँ पूरी तरह सुसज्जित हैं।

महत्व

- रक्षा संबंधों को मजबूत करना: यह उद्यम भारत और रूस के बीच रणनीतिक रक्षा साझेदारी को मजबूत करता है।
- घरेलू उत्पादन को बढ़ावा: राइफलों का स्थानीय निर्माण भारत की रक्षा विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाता है।
- आर्थिक प्रभाव: यह परियोजना भारतीय रक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण निवेश और तकनीकी उन्नति लाती है।

3. केरल के फार्म में अफ्रीकी स्वाइन फीवर के मामले सामने आए:

प्रसंग: केरल के त्रिशूर जिले में मदक्कथारा ग्राम पंचायत के 14वें वार्ड में एक निजी फार्म में अफ्रीकी स्वाइन फीवर (ASF) के प्रकोप की सूचना मिली है। इस अत्यधिक संक्रामक बीमारी के कारण इसके प्रसार को नियंत्रित करने और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण उपाय किए जा रहे हैं।

प्रकोप का विवरण

- स्थान: मदक्कथारा ग्राम पंचायत, त्रिशूर, केरल।
- प्रभावित पशु: वेलियंथरा में एक निजी फार्म में 310 सूअर।
- पुष्टि: प्रभावित फार्म में सूअरों में ASF की पुष्टि हुई है।

प्रतिक्रिया उपाय

- वध आदेश: त्रिशूर कलेक्टर ने जिला पशुपालन अधिकारी को प्रभावित सूअरों को मारने का निर्देश दिया है।
- कीटाणुशोधन और दफन: डॉक्टरों, पशुधन निरीक्षकों और परिचारकों वाली एक टीम सूअरों को मारेगी और दफनाएगी।
- प्राथमिक कीटाणुशोधन: बीमारी के आगे प्रसार को रोकने के लिए तत्काल कीटाणुशोधन उपाय लागू किए जाएंगे।

निगरानी और रोकथाम

- रोग प्रभावित क्षेत्र: प्रभावित खेत के एक किलोमीटर के दायरे में आने वाले क्षेत्र को रोग प्रभावित क्षेत्र घोषित किया गया है।
- निगरानी क्षेत्र: प्रभावित खेत के आसपास के दस किलोमीटर के दायरे को रोग निगरानी क्षेत्र के रूप में नामित किया गया है।

महत्व

- कृषि प्रभाव: यह प्रकोप कृषि क्षेत्र की पशु रोगों के प्रति संवेदनशीलता और मजबूत स्वास्थ्य उपायों की आवश्यकता को उजागर करता है।
- जैव सुरक्षा: भविष्य में होने वाले प्रकोपों को रोकने के लिए उच्च जैव सुरक्षा मानकों को बनाए रखने के महत्व को सुनिश्चित करता है।
- सरकारी प्रतिक्रिया: स्थानीय अधिकारियों द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई रोग प्रसार को नियंत्रित करने में त्वरित प्रतिक्रिया के महत्व को प्रदर्शित करती है।

महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. अफ्रीकी स्वाइन फीवर के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. ASF एक अत्यधिक संक्रामक और घातक पशु रोग है जो घरेलू और जंगली सूअरों को संक्रमित करता है।
2. यह मनुष्यों के लिए कोई खतरा नहीं है क्योंकि यह केवल जानवरों से दूसरे जानवरों में फैलता है।

उपर्युक्त में से कौन सा कथन गलत है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: d

व्याख्या : दोनों कथन सही हैं।

प्रश्न 2. हाल ही में खबरों में आए शान राज्य के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

- 1. राज्य का नाम ताई लोगों के लिए बर्मी नाम से लिया गया है।
- 2. इसकी सीमा उत्तर में चीन, पूर्व में लाओस और दक्षिण में थाईलैंड से लगती है।
- 3. थानल्विन नदी राज्य को काटती है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर: c

व्याख्या : सभी तीन कथन सही हैं। तांग नेशनल लिबरेशन आर्मी (TNLA) और म्यांमार नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस आर्मी (MNDAA) ने शान राज्य में हमले शुरू कर दिए हैं।

प्रश्न 3. जब किसी अर्थव्यवस्था में कुल मांग कुल आपूर्ति से अधिक होती है, तो इसे कहा जाता है:

- (a) लागत-प्रेरित मुद्रास्फीति
- (b) मुद्रास्फीतिजनित मंदी
- (c) मांग-प्रेरित मुद्रास्फीति
- (d) अपस्फीति

उत्तर: c

व्याख्या : मांग-प्रेरित मुद्रास्फीति अर्थव्यवस्था में कुल मांग में वृद्धि के कारण होती है।

UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. श्री ब्रदरहुड एलायंस द्वारा किया गया '1027 आक्रामक' म्यांमार में चल रहे नागरिक संघर्ष में महत्वपूर्ण वृद्धि को दर्शाता है। इस आक्रामक के ऐतिहासिक संदर्भ और क्षेत्रीय स्थिरता और भारत के रणनीतिक हितों पर पड़ने वाले प्रभावों पर चर्चा करें। (250 शब्द, 15 अंक) (सामान्य अध्ययन - II, अंतर्राष्ट्रीय संबंध)(**The '1027 Offensive' by the Three Brotherhood Alliance marks a significant escalation in Myanmar's ongoing civil conflict. Discuss the historical context and implications of this**

offensive on regional stability and India's strategic interests. (250 Words, 15 Marks)
(General Studies - II, International Relations))

